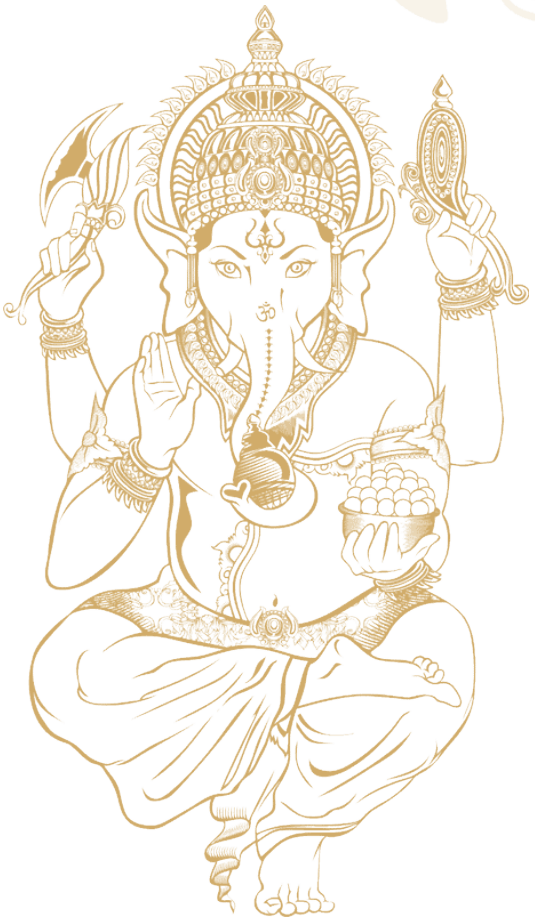

Peshwa

10 Jan 2026

09:20 PM

Amritsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:20:00 घंटे**
इष्ट	34:32:32 घटी
स्थान	**Amritsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:35:00 उत्तर
रेखांश	74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:49:44 घंटे
वेलान्तर	-00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	04:10:28 घंटे
सूर्योदय	07:30:59 घंटे
सूर्यास्त	17:44:52 घंटे
दिनमान	10:13:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:11:18 धनु
लग्न के अंश	12:18:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	12:18:22	307:11:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			धनु	26:11:18	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	26:12:11	12:07:03	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	25:53:57	00:46:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	19:27:01	01:35:12	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:50:44	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	27:08:13	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	02:34:41	00:04:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:25	00:00:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:25	00:00:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:29:39	00:01:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:47	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:47:38	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	10:21:32	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

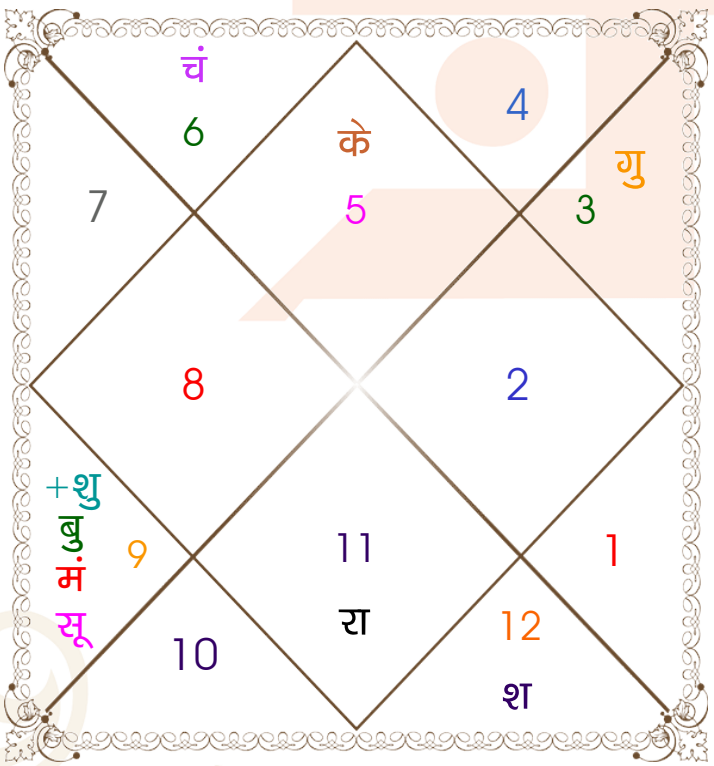

चन्द्र कुंडली

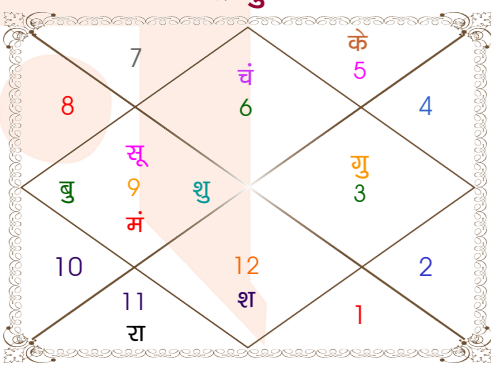

नवमांश कुंडली

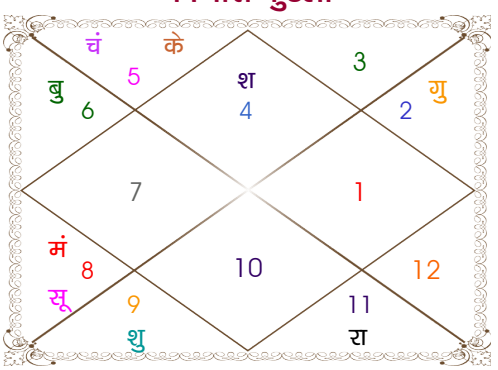

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 28 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/01/2026		10/07/2031		09/07/2049		09/07/2065		09/07/2084	
10/07/2031		09/07/2049		09/07/2065		09/07/2084		10/07/2101	
	00/00/0000	राहु	22/03/2034	गुरु	28/08/2051	शनि	12/07/2068	बुध	06/12/2086
	10/01/2026	गुरु	15/08/2036	शनि	10/03/2054	बुध	22/03/2071	केतु	03/12/2087
गुरु	30/11/2026	शनि	22/06/2039	बुध	15/06/2056	केतु	30/04/2072	शुक्र	03/10/2090
शनि	08/01/2028	बुध	08/01/2042	केतु	22/05/2057	शुक्र	01/07/2075	सूर्य	09/08/2091
बुध	05/01/2029	केतु	26/01/2043	शुक्र	21/01/2060	सूर्य	12/06/2076	चंद्र	08/01/2093
केतु	03/06/2029	शुक्र	26/01/2046	सूर्य	08/11/2060	चंद्र	11/01/2078	मंगल	05/01/2094
शुक्र	03/08/2030	सूर्य	21/12/2046	चंद्र	10/03/2062	मंगल	20/02/2079	राहु	24/07/2096
सूर्य	09/12/2030	चंद्र	21/06/2048	मंगल	14/02/2063	राहु	27/12/2081	गुरु	30/10/2098
चंद्र	10/07/2031	मंगल	09/07/2049	राहु	09/07/2065	गुरु	09/07/2084	शनि	10/07/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/07/2101		10/07/2108		10/07/2128		11/07/2134		10/07/2144	
10/07/2108		10/07/2128		11/07/2134		10/07/2144		00/00/0000	
केतु	06/12/2101	शुक्र	10/11/2111	सूर्य	28/10/2128	चंद्र	11/05/2135	मंगल	06/12/2144
शुक्र	06/02/2103	सूर्य	09/11/2112	चंद्र	28/04/2129	मंगल	10/12/2135	राहु	25/12/2145
सूर्य	13/06/2103	चंद्र	11/07/2114	मंगल	03/09/2129	राहु	10/06/2137	गुरु	11/01/2146
चंद्र	13/01/2104	मंगल	10/09/2115	राहु	29/07/2130	गुरु	10/10/2138		00/00/0000
मंगल	10/06/2104	राहु	09/09/2118	गुरु	17/05/2131	शनि	10/05/2140		00/00/0000
राहु	28/06/2105	गुरु	10/05/2121	शनि	28/04/2132	बुध	10/10/2141		00/00/0000
गुरु	04/06/2106	शनि	10/07/2124	बुध	04/03/2133	केतु	11/05/2142		00/00/0000
शनि	14/07/2107	बुध	11/05/2127	केतु	10/07/2133	शुक्र	09/01/2144		00/00/0000
बुध	10/07/2108	केतु	10/07/2128	शुक्र	11/07/2134	सूर्य	10/07/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।